अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अजमेर

[आई एस. ओ. 9001:2008 एवं आई.एस.15000 (एच.ए.सी.सी.पी.) प्रमाणित संगठन]

अध्यक्षीय प्रतिवेदन

माननीय सभासदगण सादर अभिनन्दन !

अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अजमेर की ओर से मैं आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। अजमेर जिले के समस्त दुग्ध उत्पादक बन्धुओं के अथक परिश्रम, सहयोग एवं आत्मीयता के कारण अपने संघ ने अधिकतम 374716 लीटर दुग्ध प्रतिदिन संकलन करने का किर्तीमान स्थापित करते हुए प्रदेश में 21 जिला दुग्ध संघों में द्वितीय स्थान पर है। इसी प्रकार अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विपणन शाखा के सहयोग से अधिकतम 230312 लीटर दुग्ध प्रतिदिन विपणन का किर्तीमान स्थापित किया गया है, जो कि प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है।

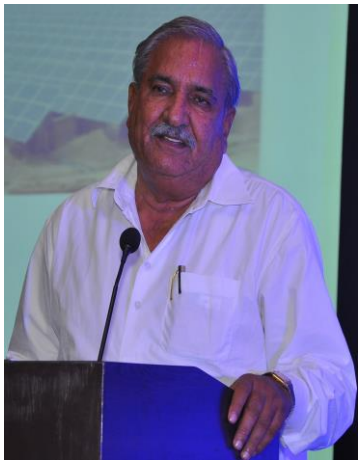

वर्तमान में संघ का औसत दूध संकलन 2.25 लाख लीटर औसत है तथा विपणन 1.80 लाख लीटर हो रहा है, जो कि गत वर्ष का क्रमशः 30 प्रतिशत व 10 प्रतिशत अधिक है। चूंकि इस वर्ष 01 अप्रैल, 14 से अगस्त, 2014 तक गत वर्ष की तुलना में औसत लगभग 6.00 रू. प्रति लीटर दूध खरीद मूल्य में अधिक भुगतान किया गया है। जिससे संघ के औसत दूध संकलन में 60 हजार लीटर दूध प्रतिदिन अधिक संकलन लिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि संघ द्वारा 1 अप्रैल, 14 से शहर में बिना पाउड़र मिलाये दूध का वितरण किया जा रहा है। इसके लिए आप समस्त दुग्ध उत्पादक एवं संघ के अधिकारी/कर्मचारी बधाई के पात्र है। संघ गत वर्ष में एक करोड़ अठावन लाख के शुद्ध लाभ में रहा है, जिसमें से अठहत्तर लाख नौ हजार रू. का लाभांश समिति को वितरण किया जावेगा।

पशुपालकों के हितों को मध्यनजर रखते हुए अजमेर दुग्ध संघ द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दुग्ध का अधिकतम भाव देने का प्रयास किया गया है।

संघ के संचालक मण्ड़ल द्वारा वर्ष 2015–16 के स्वीकृत बजट में दूध के भाव माह अप्रेल, 2015 में 5.75 रू., मई से सितम्बर, 2015 तक 6.25 रू., अक्टूबर 2015 में 6.15 रू., नवम्बर, 2015 में 5.75 रू., दिसम्बर से मार्च 2016 तक 5.50 रू. की क्रय दर दी जावेगी। जो कि इस वर्ष की तुलना में औसत 6.28 रू. प्रति लीटर अधिक होगी।

आगामी सर्दियों में 5 लाख लीटर दुग्ध प्रतिदिन संकलन होने की सम्भवना को मध्यनजर रखते हुए, संघ में 5 लाख लीटर दुग्ध प्रतिदिन का प्रोसेसिंग प्लांट एवं 3 लाख लीटर दुग्ध प्रतिदिन पाउड़र प्लांट बनाने का कार्य प्रगति पर है। जिसमें निम्नांकित कार्य पूर्ण कर लिये गये है :–

1. 1600 क्रेटस/प्रति घण्टा साफ करने हेतु एच.एम.टी. मे ऑटोमेटिक मशीन प्री–पैक विभाग में स्थापित की गई।
2. दुग्ध पाउच पैकिंग की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए दो नई आर.एम.सी. मैक, मॉडल 6000 प्री–पैक मशीन क्षमता 500 पाउच/प्रति घण्टा, प्री–पैक विभाग में स्थापित की गई।
3. 2400 दही कप/प्रति घण्टा उत्पादन क्षमता की नई आर.एम.सी. मैक मशीन, फ्रेश मिल्क उत्पाद विभाग में स्थापित की गई है।
4. 60–60 हजार लीटर दुग्ध संग्रहण के दो एचएमटी मैक, मिल्क साइलो, संग्रहण क्षमता को बढाने के लिए प्रोसेस विभाग में स्थापित किए जा चुके है। शीघ्र ही इनको उपयोग में लेना प्रारम्भ कर दिया जायेगा।
5. आईडीएमसी मैक 5 किलो लीटर/प्रति घण्टा क्षमता का क्रीम पाश्चुराईजर प्रोसेस विभाग में स्थापित किया गया है। इसके उपयोग के लिए कमीश्निंग का कार्य प्रगति पर है।
6. ट्रेटा पैक मैक 10 किलो लीटर क्षमता का क्रीम सेपरेटर प्रोसेस विभाग में स्थापित किया जा चुका है।
7. सम्पर्ण मेक 2500 पाउच आधा लीटर क्षमता की घी पैकिंग प्री–पैक मशीन घी विभाग में लगाई जा चुकी है व उत्पादन प्रारम्भ किया जा चुका है।
8. 1000–1000 किलो मीटर क्षमता के दो घी स्टोरेज सेटलिंग टैक्स को घी विभाग में स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।
9. 5 किलो लीटर क्रीम स्टोर करने की क्षमता के दो स्टोरेज टैक्स प्रोसेस शाखा में तथा एक टैंक घी विभाग में स्थापित किए जा चुके है।
10. गुण नियंत्रण प्रयोगशाला में एन कॉस इलेक्ट्रोनिक डेनमार्क मैक, नया मिल्को स्केन एफटी – 1, समिति दुग्ध सेम्पल्स को टेस्ट करने के लिए स्थापित किया गया है। इस पर 80–85 दुग्ध सेम्पल्स/प्रति घण्टा टेस्ट किए जाते है।

11. दुग्ध उत्पाद में उपयोग आने वाले सीएफसी घी कार्टन, मोनो कार्टन की बर्स्टरिंग स्ट्रेन्थ की संघ प्रयोगशाला में जांच करने हेतु डिजिटल बर्स्टरिंग स्ट्रेन्थ मशीन स्थापित की गई है।
12. अभियांत्रिकी शाखा में 8 टन क्षमता का जे.एन. मार्शल मैक स्टीम बॉयलर कमीशन हो गया है। सम्बन्धित फर्म जे.एन. मार्शल से इसे संघ को हेण्ड ओवर किए जाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है व इसका उपयोग प्रारम्भ किया जा चुका है।

शेष कार्य प्रगति पर है, जो कि माह नवम्बर 2014 के अन्त तक पूर्ण करने के प्रयास किये जायेगे।

राजस्थान ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत देश में अजमेर जिला पूर्णतयः दुग्ध संकलन में कैनलेस एवं कोल्ड़चैन सिस्टम से जुड़ चुका है। यह हमारे लिए अत्यन्त गौरव की बात है। जिले में 176 जगह बीएमसी स्थापित किये गये एवं सुचारू रूप से कार्यरत है, दुग्ध की गुणवत्ता में अत्यधिक सुधार आया है। समितियों को

दुग्ध शीतलन हेतु 27 पैसा प्रति लीटर शीतलन चार्ज दिया जा रहा है। जिससे संघ द्वारा लगभग 1.75 करोड़ रू. वार्षिक भुगतान किया जायेगा।

हम यह महसूस करते है कि पूरे जिले को कोल्ड चैन सिस्टम से जोड़ने में काफी कठिनाईयों का सामना हम सबको मिलकर करना पड़ा। इस समस्या को दूर करने के लिए इस वर्ष लगभग 50 बीएमसी नई स्थापित की जावेगी।

पशुपालकों के पशुओं की नस्ल सुधार हेतु गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अनुदान पर 64 सांड/पाड़ो का वितरित किये गये है। इस वर्ष लगभग 60 पाडे एवं 40 सांड क्रय करने हेतु क्रय कमेटी हरियाणा एवं गुजरात में कार्यरत है।

पशु पालन विभाग द्वारा संचालित पशुधन योजनान्तर्गत राजकीय गिर फार्म रामसर से कल्याणपुरा, त्योंद, सरसुरा, थल, शेरगढ़, कालीपाल, बेगलियावास, ढैगारियां व बोराड़ा दुग्ध समितियों को कुल 14 गिर सांड उपलब्ध करवाये गये।

<u>अन्य सुविधाऐं</u> :–

1. **<u>सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना :–</u>**

   जनवरी 2014 से एक वर्ष हेतु इस योजना में 11795 सदस्यों का बीमा किया गया। जिसमें संघ का अंशदान 4,57,477.50/– रू. दिया गया। इसमें 46 बीमित दुग्ध उत्पादक सदस्यों की मृत्यु हो जाने पर बीमा कम्पनी में क्लेम भिजवाये गये है। बीमा कम्पनी द्वारा 14,40,000/– रू. का भुगतान मृतक वारिसों के बैंक खाते में भिजवा दी गई है। बीमित सदस्यों के दो बच्चों जो कि 9 वीं से 12 कक्षा में राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत है, उनको 100 रू. प्रति माह प्रति छात्र छात्रवृति दी जानी प्रस्तावित है।

2. **<u>सरस सामुहिक आरोग्य बीमा योजना</u>** :– जिले के दुग्ध उत्पादकों की निरन्तर मांग को मध्यनजर रखते हुए यह योजना 15 जुलाई, 2014 से प्रारम्भ की गई, इस योजना में 2529 सदस्यों का बीमा किया गया। जिसमें संघ का अंशदान 11,81,007.72/– रू. दिया गया। ईलाज के लिए समस्त राजकीय चिकित्सालयों के अतिरिक्त निम्नांकित प्राईवेट चिकित्सालयों को भी ईलाज के लिए अधिकृत किये गये है। जहां पर कैश–लेश

योजना दी जा रही है :– 1. मित्तल अस्पताल, पुष्कर रोड़, अजमेर, 2. नारायण ह्रदयालय, जयपुर 3. भगवान महावीर केंसर अस्पताल, जयपुर।

योजना में बीमित सदस्यों को गम्भीर बीमारी के लिए दो लाख तक व साधारण बीमारी के लिए एक लाख तक का ईलाज फ्री है।

3. **<u>स्वच्छ दूध उत्पादन योजना :–</u>** संघ द्वारा आरसीडीएफ एवं राज्य सरकार के माध्यम से प्रत्यन्न कर भारत सरकार से गुणवत्ता युक्त एवं स्वच्छ दूध उत्पादन के लिये बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने हेतु वर्ष 2013–14 से 2014–15 तक 375 लाख रू. का प्रोजेक्ट स्वीकृत करवाया है। इस योजना के द्वितीय चरण में कुल 115.50 लाख रू. का बजट स्वीकृत हुआ। जिससे पंचायत समिति अंराई व केकडी के 6000 दुग्ध उत्पादको को संघ स्तर पर बुलाकर स्वच्छ दुग्ध उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया। दुग्ध उत्पादको को योजनानुसार दुग्ध दुहारी के लिए स्टील केतली, टी–पॉल, मस्लन क्लॉथ, साफ किट आदि निःशुल्क वितरण किया गया। स्वच्छ दुग्ध उत्पादन योजना के अन्तर्गत समितियों को अनुदानित दर पर 100 दुग्ध टेस्टिंग मशीन (लेक्टो स्केन) एवं 40 बी.आर. मीटर मशीने वितरित की गई तथा 1000 पशु पालको को पशु शैड बनवाकर प्रत्येक पशु पालक को 2500/– रू. का भुगतान किया गया। योजना में हुए खर्चे का उपयोगिता प्रमाण–पत्र आरसीडीएफ के माध्यम से शीघ्र भारत सरकार को भिजवाया जा रहा है। जिससे कि आगामी तीसरे चरण की मंजूरी शीघ्र प्राप्त कर चालू वर्ष में शेष रहे 6000 दुग्ध उत्पादको को स्वच्छ दुग्ध उत्पादन का प्रशिक्षण दिया जावेगा। इसके लिए 90 लाख रू. योजना में स्वीकृत है।

तीसरे चरण में भी योजना के अन्तर्गत 100 लेक्टो स्केन मशीन व 40 बी.आर. मीटर मशीन अनुदान पर वितरित किया जाना प्रस्तावित है।

4. **<u>नाबार्ड योजना अन्तर्गत दुधारू पशु क्रय ऋण दिलवाया गया</u>** :– अजमेर दुग्ध संघ द्वारा अपने प्रयासो से जिले में नाबार्ड योजना के अन्तर्गत वर्ष 2010–11, 11–12 में 25 प्रतिशत अनुदान पर ग्रामीण बैंक शाखाओं से दुधारू पशु क्रय ऋण दिलवाया गया। जिसका अनुदान काफी सदस्यों को नहीं मिला था। इसके लिए पुनः 27 जुलाई, 2014 को जवाहर रंगमंच, अजमेर में श्रीमान जिलाधीश महोदय की अध्यक्षता में बैंकर्स व डेयरी समितियों के अध्यक्ष व सचिवों की सामूहिक संगोष्ठि का आयोजन कर बकाया अनुदान का भुगतान कराने का प्रयास किया गया। जिससे की काफी सदस्यों को अनुदान उनके बैंक खातों में जमा किया जा चुका है।

साथ ही उक्त योजना के पुनः चालू करने हेतु भारत सरकार से अनुरोध किया गया और योजना पुनः जिले में लागू की गई। जिसके तहत दुग्ध समितियों के सदस्य एवं दुग्ध उत्पादकों को दुधारू पशु क्रय करने हेतु ऋण दिया जा रहा है तथा अनुदान भुगतान के लिए प्रयास जारी है।

5. **<u>संघ की विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए समस्त बूथ/शॉप एजेन्टों की संगोष्ठि का आयोजन</u>** :– संघ की विपणन व्यवस्था को सुदृढ बनाने के लिए 10 साल बाद संघ के समस्त डेयरी बूथ व शॉप एजेन्टो व दूध वितरको एवं बैंकर्स की दिनांक 05 अगस्त, 2014 को जवाहर रंगमंच, अजमेर में एक संगोष्ठि का आयोजन किया गया। संगोष्ठि में समस्त एजेन्टस/वितरको की समस्याओं को सुनकर आदर्श सुझाव लिये गये। प्राप्त आदर्श सुझावों के अनुसार कार्यवाही की जा रही है। जिसके अन्तर्गत समस्त दूध सप्लाई मार्गों को दोनो पारी में चालू किया गया, समस्त बूथों पर समितियों की भांति कोड नं. आवंटित किये जा रहे है तथा समस्त बूथों पर नया डेयरी पेन्ट करवाया जा रहा है, जो कि दीपावली तक समस्त बूथों पर करवा दिया जावेगा। इसके अतिरिक्त डेयरी में टोल फ्री मोबाईल नं आवंटित करवाये गये है। जिसका नम्बर 1800 180 6082 है। जिस पर 24 घण्टे शिकायत/सुझाव सुने जा रहे है।

6. **<u>स्पर्श ट्रस्ट</u>** :– चूंकि पशुओ के ईलाज हेतु अजमेर डेयरी द्वारा स्पर्श ट्रस्ट के माध्यम से पशु चिकित्सक/पशुधन सहायक के माध्यम से जिले में पशुओं का आपातकालीन ईलाज करवाया जा रहा था। परन्तु गत वर्ष समस्त पशु चिकित्सको का राजकीय सेवा में चयन हो जाने के फलस्वरूप अजमेर डेयरी में स्पर्श ट्रस्ट के माध्यम से कोई भी पशु चिकित्सक उपलब्ध नहीं हो रहा है। संचालक मण्ड़ल ने निर्णय लिया है कि आरसीडीएफ के माध्यम से राज्य सरकार से अनुरोध कर कम से कम 5 पशु चिकित्सक प्रतिनियुक्ति

पर अजमेर डेयरी को उपलब्ध करवाये जावें। जो कि शीघ्र ही मिलने की उम्मीद है। प्रतिनियुक्ति पर चिकित्सक उपलब्ध होने पर पूर्व की भांति स्पर्श ट्रस्ट के माध्यम से संघ के सदस्य पशु पालको को समस्त पशु चिकित्सा सुविधाऐं उपलब्ध करवाई जावेगी।

7. **ग्वार बीज मिनी किट वितरण :–** संघ द्वारा उत्पादको को 12.50 लाख रूपये का ग्वार बीज के 1411 मिनी किट 3–3 किलो पैकिंग में निःशुल्क वितरण किये गये।

8. **पशु टीकाकरण** :– आगामी सर्दियों के मौसम में पशुओं में फैलने वाली एच.एस./बी.क्यू. बीमारी को मध्यनजर रखते हुए जिले की दुग्ध उत्पादक समितियों से जुडे पशुपालको के 70,000 पशुओं का टीकाकरण 50 प्रतिशत अनुदानित दर पर करवाया जायेगा।
9. **दुग्ध उत्पादकों के बाडों में अग्नि काण्ड पर सहायता** :– अजमेर जिला संघ द्वारा जिले की दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के क्रियाशील सदस्यों के बाडों में रखे चारे में आग लगने के कारण आर्थिक सहायता के रूप में अप्रेल 2013 से अब तक 27 सदस्यो को 1.32 लाख रू. की सहायता प्रदान की गई जिसमें शिवनगर, एकलसिंहा, हियालिया, सथाना, भीमडावास, धुवाडिया, पीचौलिया समितियों के सदस्य है। यह सुविधा भविष्य में भी जारी रहेगी।
10. **वरिष्ठ दुग्ध उत्पादकों की मृत्यु पर देय आर्थिक सहायता :–** गत वर्षों की भांति 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्य की मृत्यु होने पर 10,000 रू. प्रति सदस्यों को कुल 09 सदस्यों को 70,000 रू. की आर्थिक सहायता प्रदान की गई तथा यह सुविधा भविष्य में भी जारी रहेगी।
11. **प्रसव घी वितरण** :– अप्रेल, 2013 से अब तक कुल 140 सदस्यों को 980 लीटर घी निःशुल्क दिया गया है।
12. **समितियों पर बोनस वितरण** :– जिले की निम्नांकित 08 दुग्ध समितियों द्वारा उनके सदस्यों को कुल राशि 7,45,000/– रू. का बोनस वितरण किया गया है। जिसमें 1. देराठूं 2. लामाना 3. लीडी 4. मकरेडा 5. देवास 6. बाडी, 7. शिखरानी एवं 8. ब्यावर खास। इस वर्ष न्यूनतम 100 दुग्ध समितियों का बोनस वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

जय हिन्द। जय सहकार।

आपका ही,

(रामचन्द्र चौधरी)
अध्यक्ष